मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 143, मुंबई, गुरुवार, 13 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

सुशांत मामले पर सियासत

शरद पवार ने कहा– सीबीआई से दिक्कत नहीं, पर मुंबई पुलिस पर 50 साल से भरोसा

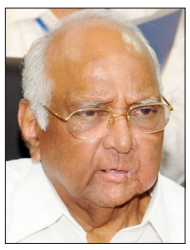

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि जिस तरह से घटना को मीडिया में तवज्जो दी जा रही है वह आश्चर्यजनक है

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में सियासत लगातार जारी है। बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मुझे सीबीआई जांच से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन, मैं पिछले 50 साल से महाराष्ट्र और मुंबई पुलिस पर भरोसा करता हूं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से घटना को मीडिया में तवज्जो दी जा रही है वह आश्चर्यजनक है। पवार से मीडिया ने जब पूछा कि इस मामले में ठाकरे परिवार को बदनाम करने की साजिश हो रही है क्या? तो उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि इसके पीछे क्या मकसद है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पुणे में गुमनाम कुख्यात मोबाईल...

चोर की दहशत

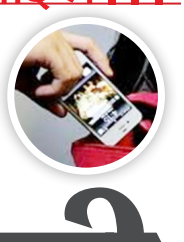

इस गुमनाम चोर के ज्यादातर टारगेट में रहते हैं रिक्शा वाले

पीआई चंद्रकांत भोसले
लश्कर पुलिस स्टेशन कैंप पुणे

कुख्यात चोर

पुणे संवाददाता/मुबीना फिरोज मेमन

पुणे। लश्कर पुलिस स्टेशन कैंप पुणे के अंतर्गत बाबजान चौक दरगाह, शिवाजी मार्ग व क्लोवर सेंटर में एक गुमनाम कुख्यात मोबाईल चोर की वजह से लोग दहशत में है। यह गुमनाम चोर ज्यादातर सिर्फ रिक्शा वालों को ही अपना टारगेट बनाता है और उनको किसी न किसी बहाने से बहला फुसलाकर उनका मोबाईल लेकर रफुचक्कर हो जाता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दहिसर (पूर्व) पुलिस स्टेशन की मिलीभगत से...

संभाजी नगर ठाकुर कम्पाउंड में धड़ल्ले से चलाया जा रहा है जुगार क्लब

क्राइम ब्रांच व S.S. ब्रांच द्वारा 1 महीने में दो बार कार्रवाई होने के बाद भी जुगार क्लब के मालिक समीर शेख और अशोक शेट्टी को नहीं है किसी का खौफ

इस हाई प्रोफाइल जुगार क्लब में हर दिन खेला जाता है लाखों रुपये से ज्यादा का जुगार

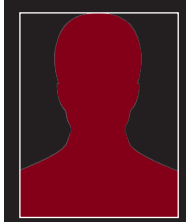

क्लब का मालिक
अशोक शेट्टी
9967415901

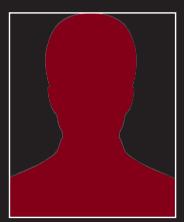

क्लब का मालिक
समीर शेख
9004780800

साईबर क्राइम ब्रांच से अपील है कि जुगार क्लब के मालिक व जुगार माफिया अशोक शेट्टी व समीर शेख का मोबाईल नंबर पूरी तरह से ट्रेस किया जाये और पता लगाया जाये कि ये जुगार माफिया कितने बड़े पैमाने पर इस जुगार को अवैध तरीके से कर रहे हैं और इसके तार कहां-कहां तक जुड़े हैं

बता दें कि यह वही अशोक शेट्टी है जो 6 महीने पहले मीना बार के बाजू में वीडियो गेम है उसमें यह अपना क्लब चलाता था, वहां अब इसने छोड़ कर संभाजी नगर में अपना जुगार क्लब चला रहा है

मुंबई। दहिसर पूर्व पुलिस स्टेशन के अंतर्गत संभाजी नगर ठाकुर कम्पाउंड में अवैध तरीके से हाई प्रोफाइल जुगार क्लब चलाया जा रहा है। इस जुगार क्लब को दहिसर पूर्व पुलिस स्टेशन का पूरा सहयोग मिला हुआ है जिसकी वजह से इस जुगार क्लब के मालिकों में जरा भी किसी का खौफ नहीं है। जुगार क्लब के मालिक अशोक शेट्टी और समीर शेख खुलेआम यह कहता है कि हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, क्योंकि हम दहिसर पुलिस को उनका पूरा हिस्सा देते हैं। इसी वजह से जुगार माफिया अशोक शेट्टी और समीर शेख में कार्रवाई का कोई डर नहीं है। आपको बता दें कि हला ही में 1 महीने के अंदर दो बार इस जुगार क्लब पर कार्रवाई हुई थी, पहली बार क्राइम ब्रांच द्वारा तो दूसरी बार S.S. ब्रांच द्वारा, लेकिन दहिसर पूर्व पुलिस स्टेशन की मिलीभगत से फिर इस जुगार क्लब को चालू करके लाखों रुपये का अवैध जुगार चलाया जा रहा है।

दै. मुंबई हलचल जल्द ही इस जुगार माफिया अशोक शेट्टी और समीर शेख का पूरा काला चिट्ठा आप सबके सामने लायेगा

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जांच बढ़ाने पर जोर

देश के दस राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अपनी कल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अधिक से अधिक जांच की बात पर जिस तरह से जोर दिया, वह महामारी से निपटने में इस कदम की अहमियत को स्पष्ट कर देता है। उन्होंने उन राज्यों से खास तौर से अपील की कि वे अपने यहां जांच की रफ्तार और दायरा बढ़ाएं, जहां संक्रमण-दर और मृत्यु-दर अधिक हैं। बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके बाकायदा बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना सरकारों से इस काम में तेजी लाने को कहा। इसमें कोई दोराय नहीं कि जांच की संख्या और दायरे के विस्तार के साथ संक्रमण के आंकडे.बढ़ेंगे, लेकिन संक्रमितों को वक्त पर उपचार मुहैया कराकर ही मृत्यु-दर को कम किया जा सकता है। अब यह वैश्विक स्तर पर स्थापित तथ्य है कि जिन देशों ने बचाव के अन्य उपायों के साथ शुरूआती दौर में ही ज्यादा से ज्यादा जांच का रास्ता अपनाया, वे आज बेहतर स्थिति में हैं। हमारे लिए राहत की एक बात यह है कि मृत्यु-दर दो फीसदी के नीचे आ गई है। जाहिर है, रिकवरी रेट बढ़ रहा है। लेकिन महामारी से हमारी लड़ाई अभी काफी कठिन मोड़ पर है। चूंकि संक्रमण के मामले अब ग्रामीण इलाकों से भी काफी मिल रहे हैं, इसलिए हमें पहले से अधिक चिकित्सकों, अस्पतालों और अन्य संसाधनों की जरूरत पड़ेगी, जबकि हम अब तक इस जंग में तकरीबन 200 डॉक्टरों की शहादत दे चुके हैं और पहली कतार के कोरोना वॉरियर्स व अस्पतालों पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है। यही नहीं, लंबे लॉकडाउन और आर्थिक सुस्ती के कारण आम लोगों पर भी एक अलग किस्म का दबाव है। खुद प्रधानमंत्री ने कल की बैठक में इसका संकेत किया था। ऐसे में, एक राष्ट्र के तौर पर यह हमारे धैर्य की परीक्षा की घड़ी है। और महामारी को परास्त करने के लिए हमें इस परीक्षा में पास होना ही होगा। कल की बैठक में कुछ मुख्यमंत्रियों ने राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) से कैप हटाने की भी मांग की, ताकि वे अपने सूबे में महामारी की चुनौतियों का मुकाबला अच्छे तरीके से कर सकें। अभी इस कोष से अधिकतम खर्च-सीमा 35 फीसदी है। पंजाब, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों ने केंद्र से इससे अधिक राशि निकालने की इजाजत मांगी है। राज्यों की यह मांग जायज लगती है, क्योंकि पिछले छह महीनों से उनकी राजस्व-उगाही बुरी तरह प्रभावित हुई है, और फिर बिहार व केरल जैसे राज्य तो बाढ़ की आपदा का भी सामना कर रहे हैं। स्वाभाविक है, उन्हें इस कैप की वजह से दुश्वारियां पेश आ रही हैं। बहरहाल, केंद्र और राज्यों ने जिस समन्वय के साथ अब तक इस महामारी का मुकाबला किया है, उसकी यकीनन सराहना की जानी चाहिए। तब तो और, जब अमेरिका जैसा मजबूत संघीय ढांचा इस महामारी में चरमराता हुआ दिखा और राष्ट्रपति ट्रंप व विपक्ष शासित राज्यों की तनातनी की कीमत हजारों अमेरिकियों को जान देकर चुकानी पड़ी। भारत में राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ प्रधानमंत्री शुरूआत से ही लगातार बैठकें करते रहे हैं और इससे समस्याओं के मूल तक पहुंचने की एक समझ बनी है। यह एक मुश्किल लड़ाई है और विभिन्न शासकीय इकाइयों के बीच बेहतर तालमेल, अधिकतम जांच एवं व्यापक जन-जागरूकता से ही इसमें फतह मिल सकती है।

राजनीति में सुधार का अधूरा एजेंडा

आगामी स्वतंत्रता दिवस के साथ ही वह समय और करीब आ जाएगा जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे करेगा। स्वाभाविक रूप से ऐसे अवसर इसकी गहन समीक्षा के लिए उपयुक्त समय होते हैं कि भारत ने क्या अर्जित किया? स्वतंत्रता के समय ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल समेत कई विदेशी नेताओं ने भारत के भविष्य को लेकर संदेह प्रकट किया था।

उन्होंने मुख्य रूप से यह सवाल उठाया था कि दक्षिण एशिया के मध्य में स्थित भौगोलिक रूप से इस विशाल और सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से विविधतापूर्ण राष्ट्र में वेस्टमिंस्टर मॉडल वाले लोकतंत्र का क्या हश्र होगा? ऐसे प्रश्न आजादी के बाद तक के कालखंड में भी उठाए गए, लेकिन उन सभी संदेहों और शंकाओं को ध्वस्त करते हुए आज न सिर्फ हमारा लोकतंत्र सुरक्षित है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर लगातार आगे बढ़ रहा है और फल-फूल रहा है। बीते सात दशकों से अधिक समय की यात्रा में लोकतंत्र एवं उसके विभिन्न संस्थान और भी मजबूत बनकर उभरे हैं। दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र कहे जाने वाले अमेरिका के साथ तुलना करें तो जहां अमेरिका में अभी तक कोई महिला राष्ट्राध्यक्ष नहीं बन पाई वहीं भारत ने शुरूआती दशकों में ही इंदिरा गांधी का उदय देखा। जहां अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के व्यक्ति को व्हाइट हाउस पहुंचने में ढाई सौ वर्ष से अधिक समय लग गया वहीं भारत में बाबू जगजीवन राम और रामनाथ कोविंद समेत ऐसे अनेक लोगों के उदाहरण सामने हैं जिन्होंने समाज के सबसे निचले पायदान से सत्ता के सर्वोच्च स्थान तक की सफल यात्रा की है। यदि आपातकाल के काले अध्याय, जब संविधान को ताक पर रख दिया गया था, को छोड़ दें तो संविधान को हर सरकार ने सर्वोच्च माना है। उन्होंने उसी के अनुसार अपनी नीतियों को आगे बढ़ाया है। वास्तव में आज के सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी युग में लोकतंत्र हमारी यूएसपी है। विविधता इसका सौंदर्य और सामाजिक न्याय एक प्रतिबद्धता है। इसे बनाए रखने के लिए राजनीति में सुधार आवश्यक हैं।

वर्तमान में कोरोना के अलावा हमारी राजनीति तीन खतरनाक वायरसों-परिवार, कारोबार और श्रृंगार यानी ठाठ-बाट से ग्रस्त हो गई है। इसकी काट ढूंढना अब आवश्यक हो गया है। आज नहीं तो कल कोरोना वायरस की वैक्सीन तो हमारे वैज्ञानिक निकाल ही लेंगे, लेकिन राजनीति में व्याप्त इन तीनों वायरसों का समाधान करना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह काम समाज में एक मुक्त विमर्श से ही संभव होगा। यदि हम अपने लोकतंत्र की चिरकालीन समृद्धि चाहते हैं तो परिवार, कारोबार और श्रृंगार रूपी इन वायरसों से हमें अपनी राजनीति को हर हाल में मुक्त करना होगा। इस दिशा में आज एक सकारात्मक और संवेदनशील संवाद की जरूरत महसूस हो रही है। भारतीय राजनीति में परिवारवाद को नेहरू-गांधी परिवार ने संस्थागत किया। इसमें कोई दोराय नहीं कि सिर्फ नेहरू की पुत्री होने के कारण इंदिरा गांधी को केंद्र में मंत्री बनाया गया। निश्चित रूप से ऐसा नहीं है कि सिर्फ एक परिवार में जन्म लेने के कारण आप राजनीति में आने के लिए अयोग्य हो जाते हैं, लेकिन सत्ता की संरचना में इस प्रकार से पिछले दरवाजे से प्रवेश पर चर्चा तो होनी ही चाहिए। क्यों न राजनीतिक दल आपस में एक ऐसी सहमति बनाएं जिसमें एक समय में एक परिवार से एक ही पीढ़ी सत्ता या संगठन की राजनीति करे? यदि पिता संगठन में है तो पुत्र या पुत्री सदन की राजनीति करे। इससे बाकी लोगों को भी अवसर प्राप्त हो। अभी यह अवसर कम होता जा रहा है।

भाजपा में अभी ऐसी व्यवस्था नजर आती है। अन्य राजनीतिक दलों को भी ऐसी संरचना बनानी चाहिए। भाजपा में जहां पार्टी को परिवार माना गया है वहीं बहुत सारे ऐसे दल भी हैं जहां परिवार ही पार्टी है। आखिर इस पर एक मुक्त राजनीतिक विमर्श क्यों नहीं होना चाहिए कि कई राजनीतिक दलों का स्वरूप पार्टी ही परिवार वाला क्यों है? दुख की बात है कि लोगों ने जमात से विमर्श प्रारंभ किया, जाति पर ठहरे और परिवार पर आकर रुक गए। परिवार की राजनीति करने वालों को याद रखना चाहिए कि इतिहास अपने मूल्यांकन में निष्ठुर रहता है। समाज के नाम पर सिर्फ और सिर्फ अपने परिवार को सत्ता के करीब रखने वालों को इतिहास अपने अध्यायों में याद रखेगा और बार-बार एक न्यायपूर्ण व्यवस्था की याद दिलाता रहेगा। आज भी लोग दीनदयाल उपाध्याय, कपूर्री ठाकुर और भोला पासवान शास्त्री जैसे नेताओं की सादगी को याद करते हैं। अब तो लगता है कि राजनीति में सादगी का दौर ही एक तरह से समाप्त हो रहा है। एक समय सादगी ही राजनेताओं का श्रृंगार हुआ करती थी,किंतु दुख की बात है कि आज बड़ी गाड़ियां, बड़े बंगले और सुरक्षाकर्मियों की फौज से नेताओं को आनंद आने लगा है। यहां अटल बिहारी वाजपेयी जी का स्मरण आता है। कई अवसरों पर उन्होंने जमीन पर भी सोने में गुरेज नहीं किया। कपूर्री ठाकुर के बारे में कहा जाता है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद उनकी धर्मपत्नी सरकारी आवास में न रहकर गांव में ही रहती थीं। यशवंत सिन्हा ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि एक बार वह कपूर्री जी के गांव स्थित आवास पर गए और वहां की सादगीपूर्ण व्यवस्था को देखकर अचंभित हो गए। आज जरूरत है कि राजनीति को पेशा या व्यवसाय नहीं, बल्कि त्याग के दृष्टिकोण से समझा जाए। हार्वर्ड और कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालयों से पढ़कर आप आंकड़ों की भाषा तो समझ जाएंगे, लेकिन कतार के अंत में खड़े व्यक्ति की आंखों की भाषा को समझने के लिए सामाजिक संवेदना और जमीनी अनुभव की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता की पूर्ति तभी होगी जब हमारी राजनीति परिवार, कारोबार और श्रृंगार से मुक्त होगी।

देशभर में सांप से काटने वाली मौतों में हो रहा इजाफा

देश भर में करीब तीन लाख लोग हर साल सांप के काटने का शिकार होते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं पर तमाम बड़े वादों और मिशन मोड वाले कार्यक्रमों के इतर सर्पदंश का यह जानलेवा सिलसिला पिछले कई दशकों से जारी है। हाल ही में टोरंटो विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ग्लोबल रिसर्च ने यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से इस मामले पर एक शोध के नतीजे को सार्वजनिक किया है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2000 से 2019 तक भारत में करीब 12 लाख लोग सर्पदंश से मौत के मुंह में समा चुके हैं। ट्रेंड्स इन स्नेकबाइट डेथ्स इन 2000 टू 2019 इन ए नेशनली रिप्रजेंटेटिव मोर्टेलिटी स्टडी नामक इस शोध रिपोर्ट में भारत के इस स्याह पक्ष को रेखांकित किया गया है।

इस त्रसदी को भोगने वाला करीब 97 फीसद तबका गांव का गरीब आदमी है। ऐसी मौतें खेत में काम करते वक्त या उन गरीबों की होती है जिनके पास पक्के घर और सोने के लिए ऊंचे पलंग नहीं हैं। जो मजदूरी के लिए जूते, टॉर्च, दस्ताने जैसे साधनों

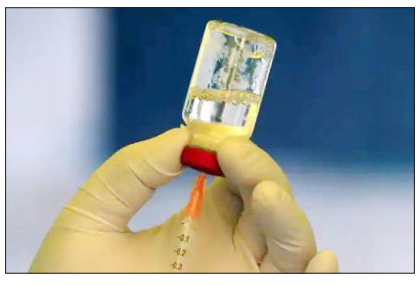

से वंचित हैं। जाहिर है सर्पदंश का केंद्र गांव, गरीब, किसान और मजदूर ही है। इस शोध रपट के अनुसार करीब 60 हजार भारतीय प्रति वर्ष इसलिए मारे जाते हैं, क्योंकि उनके रहवास के आसपास एंटी वेनम डोज या तो उपलब्ध नहीं होते हैं और अगर हैं भी तो वहां ट्रेंड स्टाफ नहीं है। सांप काटने के बाद अगले एक से दो घंटे निर्णायक होते हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में ग्रामीण पहले तो झाड़-फूंक के चक्कर में पड़ते हैं और जब अस्पताल जाते हैं तो वहां एंटी वेनम नहीं मिलता है। इनमें आधी से ज्यादा मौतें जून से सितंबर के महीनों में होती हैं, जब मानसून के साथ देश भर में धान, सोयाबीन, मूंगफली जैसी फसलों की पैदावार में किसान खेतों में लगे रहते हैं। सर्पदंश से 70 फीसद मौतें बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश तेलंगाना समेत, झारखंड, ओडिशा और गुजरात में होती हैं। समझा जा सकता है कि अनेक मानकों में पिछड़े उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे बड़े राज्य इस मामले में भी गरीबों के लिए कुछ नहीं कर पा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या सर्पदंश से मौत के मुंह में जाने वाले लोग देश के मजदूर, किसान हैं इसलिए इस मामले पर कोई बुनियादी पहल आज तक नहीं हुई। आप बिहार, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश के किसी भी दूरदराज के प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र में चले जाइए, आपको एंटी वेनम नहीं मिलेगा। चूंकि इसे फ्रीज में रखना होता है और अधिकांश पीएचसी में यह सुविधा आज भी उपलब्ध नहीं है, मजबूरन लोग ऐसे मामलों में जिला अस्पताल या निजी नर्सिंग होम जाते हैं।

मुंबई में घूम रहे हैं 13 हजार बिन लक्षणों वाले कोरोना पेशंट

संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना की रफ्तार पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। मुंबई में 78 प्रतिशत मरीज कोरोना को मात देकर घर जा चुके हैं, जबकि ऐक्टिव 19718 मरीजों में से 13 हजार 292 मरीजों में कोरोना के कोई लक्षण नहीं हैं। वहीं, 5655 मरीजों में कोरोना के लक्षण हैं, जबकि 1085 मरीजों की स्थिति गंभीर है। 6842 लोगों की कोरोना वायरस की वजह से मौत हो चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार तीन तरह के बिना लक्षण वाले कोरोना पेशंट होते हैं। इसमें वे लोग जिनमें लक्षण नहीं आते यानी एसिम्प्टोमैटिक है। वे लोग जिन्हें कोई लक्षण नहीं थे लेकिन वो टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए और बाद में उनमें लक्षण उभरे। तीसरे वे लोग, जिनमें बेहद

कम लक्षण थे और उन्हें एहसास नहीं हुआ कि उनको कोरोना वायरस है।

'चेज द वायरस' अभियान

महानगर में कोरोना की रोकथाम के लिए बीएमसी बड़े पैमाने पर 'चेज द वायरस' अभियान चला रही है। इसके तहत कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आए हाईरिस्क के लोगों को तुरंत क्वारंटीन किया जा रहा है। ऐसे लोगों को तुरंत आवश्यकता के अनुसार इलाज किया जा रहा है। मुंबई में अब तक 1 लाख 24 हजार 322 पेशंट मिले हैं। इसमें से 97993 मरीज डिस्चार्ज हो चुके हैं। रिकवरी रेट 78 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि कोरोना की एवरेज डेली ग्रोथ रेट 0.79 प्रतिशत रह गया है। उसी का नतीजा है कि मुंबई में डबलिंग रेट 88 दिन तक पहुंच गया है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक मुंबई में अब तक 605419 लोगों की कोरोना जांच हो चुकी है।

अब महज 587 कंटेनमेंट जोन रह गए: कोरोना मरीजों की संख्या में कमी आ रही है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुंबई में अब सिर्फ 587 कंटेनमेंट जोन रह गए हैं। वहीं 5489 बिल्डिंगों को कोरोना पेशंट मिलने के बाद सील किया गया है। कंटेनमेंट जोन में 40.62 लाख आबादी रहती है और यहां अब तक 30413 कोरोना के पॉजिटिव पेशंट पाए गए हैं। इसी तरह सील बिल्डिंग में 8.36 लाख लोग रहते हैं, जिसमें से 22014 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

आईपीएल में सेलेक्शन नहीं होने से दुखी क्रिकेटर ने फांसी लगाकर जान दी

क्रिकेटर करण तिवारी का शव मलाड के फ्लैट में पंखे से लटका हुआ मिला

संवाददाता

मुंबई। सोमवार रात मुंबई के मलाड इलाके में क्लब क्रिकेटर करण तिवारी (27) का शव पंखे से लटका हुआ मिला। करण के दोस्त ने बताया कि आईपीएल में सेलेक्शन नहीं होने के कारण वह दुखी था और उसने अपनी जान दे दी। मुंबई में उनके चाहने वाले उन्हें जूनियर डेल स्टेन के नाम से बुलाते थे। स्टेन साउथ अफ्रीकन गेंदबाज हैं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात करीब 10 से 11 बजे के बीच करण तिवारी ने आत्महत्या की है। मुंबई के सावेनियर क्रिकेट क्लब से खेलने वाले करण तिवारी दाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज थे। वह अपनी मां और भाई के साथ मलाड के एक फ्लैट में रहते थे। मुंबई के एक सीनियर कोच विनायक सामंत ने कहा कि वे उनके लिए मुंबई में एक अच्छे क्लब की तलाश कर रहे थे।

मरने से पहले दोस्त को किया फोन: सूत्रों के अनुसार, करण के एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि 19 सितंबर को यूएई में शुरू होने वाले आईपीएल में नहीं चुने जाने से वह दुखी चल रहा था। मरने से पहले उसने उदयपुर में अपने बेस्ट फ्रेंड को फोन करके बताया कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। दोस्त ने पहले उसे रोकने का प्रयास किया और फिर उसकी मां और बहन को फोन कर इसकी जानकारी दी। हालांकि, जब तक परिवार उसके कमरे तक पहुंचता वह फंदे पर झूल चुका था। परिवार आनन-फानन में उसे लेकर पास के हॉस्पिटल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बादशाह के बाद अब नामी डिजिटल एजेंसी का मालिक तलब

संवाददाता

मुंबई। क्राइम ब्रांच की सीआईयू ने फर्जी फॉलोअर्स केस में देश की एक नामी एजेंसी के मालिक को समन भेजा है। इस मालिक को बुधवार सुबह 12 बजे पुलिस मुख्यालय में इंस्पेक्टर सचिन वझे के सामने पेश होने को कहा गया है। इस नामी डिजिटल एजेंसी का नाम रैपर गायक बादशाह से पूछताछ में सामने आया। बादशाह से लगातार तीन दिन तक मुंबई क्राइम ब्रांच अधिकारियों ने पूछताछ की थी। क्राइम ब्रांच सूत्रों का कहना है कि बादशाह ने अपने एक गाने को हिट कराने के वास्ते फेक फॉलोअर्स को बढ़ाने के लिए इस नामी डिजिटल एजेंसी को करीब 75 लाख रुपये दिए थे। बादशाह ने उन दिनों दावा किया था कि उनका वह गाना लांच वाले दिन ही 7.5 करोड़ लोगों द्वारा देखा गया था। वह अपने में कीर्तिमान है। उस गाने को अब तक 27 करोड़ लोग देख चुके हैं। लेकिन शक है कि इनमें से ज्यादातर फर्जी हैं। क्राइम ब्रांच ने इस केस में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 26 लोगों के स्टेटमेंट ले चुकी है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सुशांत मामले पर सियासत

एक व्यक्ति ने आत्महत्या की तो इतना सबकुछ हो रहा है। दो दिन पहले सतारा में एक किसान ने बताया था कि उसके जिले में 20 किसानों ने खुदकुशी कर ली, लेकिन उस पर कोई बात नहीं कर रहा। पार्थ ने गृहमंत्री अनिल देशमुख से मुलाकात करके सुशांत केस की सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी। पार्थ, पवार के भतीजे के बेटे हैं। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह अभी अपरिपक्व है। उधर, इस मामले में एनसीपी नेता और वरिष्ठ वकील माजिद मेमन ने 3 ट्वीट कर मीडिया में सुशांत की मौत को लेकर चल रही बातों पर सवालिया निशान लगाया है। पहले ट्वीट में उन्होंने कहा, सुशांत अपने जीवनकाल के दौरान उतने प्रसिद्ध नहीं थे, जितना कि वह मौत के बाद हो गए। मीडिया में वह जितनी जगह वह आजकल पा रहे हैं, वह हमारे प्रधानमंत्री या अमेरिका के राष्ट्रपति से कहीं अधिक है! मेमन ने अगले ट्वीट में लिखा, जब किसी अपराध की जांच होती है, तो गोपनीयता बनाए रखनी पड़ती है। अहम सबूत इकट्ठा करने की प्रोसेस में उठाए जा रहे हर कदम को सार्वजनिक करने से सच्चाई और न्याय पर असर पड़ता है। हालांकि, ट्वीट पर विवाद होने पर माजिद मेमन ने एक और ट्वीट करते हुए कहा, सुशांत के मेरे ट्वीट पर इतना शोर है। क्या इसका मतलब यह है कि सुशांत पहले इतने फेमस नहीं थे या उन्हें न्याय नहीं मिलना चाहिए? हरगिज नहीं। गलतफहमी से बचा जाना चाहिए। ट्वीट किसी भी तरह से अपमान या उसे अपमानित नहीं करता है।

पुणे में गुमनाम कुख्यात मोबाईल चोर की दहशत

यह इतना शातिर चोर है कि अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। आम जनता के साथ-साथ पुलिस की नाक में भी दम करके रखा है। लश्कर पुलिस स्टेशन, कैंप, पुणे के पीआई चंद्रकांत भोसले ने कहा कि यह गुमनाम कुख्यात चोर कितना भी शातिर क्यों न हो लेकिन जल्द ही पुलिस इसको गिरफ्तार करके जेल में डालेगी साथ ही पीआई चंद्रकांत भोसले ने कहा कि अगर इस गुमनाम कुख्यात चोर के बारे में कोई जानता हो या फिर देखा हो तो तुरंत लश्कर पुलिस स्टेशन, कैंप, पुणे से संपर्क करें।

मुंबई में समुद्र तटों पर गणपति की मूर्तियों के विसर्जन पर कोई प्रतिबंध नहीं: बीएमसी

संवाददाता / मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम ने बुधवार को स्पष्ट किया कि आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान शहर के समुद्र तटों पर मूर्तियों के विसर्जन पर कोई प्रतिबंध नहीं है। दरअसल सोशल मीडिया पर अफवाह फैलने लगी थी कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर समुद्र तटों पर मूर्तियों के विसर्जन की अनुमति नहीं होगी। इसके बाद नगर निकाय ने यह बयान किया। बीएमसी ने लोगों से अपनी मूर्तियों को 167 कृत्रिम तालाबों में विसर्जित करने का भी आग्रह किया, जो 10 दिनों के इस त्योहार के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए जाएंगे। नगर निगम ने बयान में अपील की, 'समुद्र तटों से एक या दो किमी दूर रहने वाले भक्त अपनी मूर्तियों को समुद्र में विसर्जित कर सकते हैं। जो लोग दूर रहते हैं, वे अपनी मूर्तियों को घर में या कृत्रिम तालाबों में विसर्जित कर सकते हैं।' बीएमसी ने पहले ही दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं कि शहर में कोविड-19 निरूद्ध क्षेत्रों में किसी भी सार्वजनिक विसर्जन की अनुमति नहीं दी जाएगी। कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए नगर निकाय ने नागरिकों से त्योहार को सरल तरीके से मनाने, भीड़ से बचने और पर्याप्त सावधानी बरतने की अपील की है।

निजीकरण की ओर रेलवे

देश में प्राइवेट ट्रेनें चलाने के लिए फ्रांस, जर्मनी और कनाडा समेत कई देशों की 23 कंपनियों को दिलचस्पी, 30 हजार करोड़ के निवेश की उम्मीद

2027 तक 151 प्राइवेट ट्रेनें चलाने की तैयारी, 2022-23 से ही हो जाएगी शुरूआत

संवाददाता

नई दिल्ली। देश में प्राइवेट ट्रेनों को चलाने के लिए दुनियाभर की कई बड़ी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। इसके लिए कनाडा की बॉम्बार्डियर, फ्रांस की अलस्टॉम, जर्मनी की सीमेंस, भारत की जीएमआर, वेदांता, भारत फोर्ज, स्टरलाइट पॉवर, मेधा, आई बोर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आईआरसीटीसी, बीएमईएल सहित 23 कंपनियों ने एप्लीकेशन दी है। बुधवार को भारतीय रेलवे की ओर से हुई दूसरी प्री बिड कॉन्फ्रेंस में इन सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। इसके पहले पहली प्री बिड कॉन्फ्रेंस में भी 16 बड़ी कंपनियों ने शिरकत की थी। कॉन्फ्रेंस में रेलवे ने अपनी तैयारियों और जरूरतों के बारे में सभी कंपनियों को जानकारी दी। सरकार को उम्मीद है कि इस नए प्रयोग से करीब 30 हजार करोड़ का निवेश आएगा। रेलवे की ओर से प्राइवेट ट्रेनों के संचालन के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। रेलवे ने अप्रैल 2023 तक पहली प्राइवेट ट्रेन को शुरू करने का फैसला लिया है। रेलवे की तैयारी है कि 2022-23 में 12 प्राइवेट ट्रेनें पटरियों पर दौड़ने लगें। इसके बाद साल 2023-24 में 45, साल 2025-26 में 50 और 2026-27 में 44 ट्रेनें शुरू करने की योजना है।

हर एक ट्रेन में 16 कोच होंगे

हर एक प्राइवेट ट्रेन में करीब 16 कोच होंगे। इसके लिए कुल 2,400 कोच बनाने की जरूरत होगी। हर एक कोच को तैयार करने में करीब 6.5 ले लेकर 7 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। रेलवे का मानना है कि प्राइवेट ट्रेन के चलने से लंबी वेटिंग को खत्म करने में मदद मिलेगी। प्राइवेट ट्रेन की स्पीड 160 किमी/घंटे होगी।

एयरलाइंस की तर्ज पर रेलवे में भी टिकटों की कीमत तय नहीं: ट्रेन चलाने वाली प्राइवेट कंपनियां जितना मर्जी उतना किराया रख सकेंगी। इस किराये के लिए उन्हें किसी भी अथॉरिटी से कोई मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। यह कंपनियां भारतीय रेलवे के नेटवर्क पर ट्रेन चलाएंगी और इसके लिए वे जो चाहें किराया तय कर सकती हैं। रेलवे ने यह प्राइवेट कंपनियों पर छोड़ा है कि वह ट्रेन का किराया तय करें। इसके अलावा रेवेन्यू जेनरेट करने के लिए वे अलग-अलग तरह के विकल्पों के बारे में विचार करने और फैसला करने में स्वतंत्र होंगे।

यह किराया बाजार के मुताबिक होगा: हाल में इस तरह की बात रेलवे मंत्री पीयूष गोयल ने भी कही थी। हाल में प्री-अप्लीकेशन मीटिंग में इस तरह का सवाल भी आया था। सरकार कुल 109 रूट पर 151 ट्रेन प्राइवेट कंपनियों को 35 साल के लिए देगी। रेलवे ने इस मामले में हाल में उठाए गए सवालों के जवाब में कहा कि प्राइवेट ट्रेन के किराए वही कंपनियां तय करेंगी, जो इसे चलाएंगी। यह किराया बाजार के मुताबिक होगा। इसके लिए किसी मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। सूत्रों के मुताबिक भारतीय रेलवे को कैबिनेट या संसद से इस तरह के मामलों के लिए अनुमति लेनी होगी। रेलवे एक्ट के अनुसार देश में केवल केंद्र सरकार या रेलवे मंत्रालय पैसेंजर ट्रेन के किराए को तय कर सकता है।

बेंगलुरु हिंसा में 3 की मौत

दंगाइयों से मंदिर को बचाने के लिए मुस्लिम युवकों ने ह्यूमन चेन बनाई

आपत्तिजनक पोस्ट लिखने पर कांग्रेस विधायक का भतीजा गिरफ्तार, 60 पुलिसकर्मी जख्मी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में मंगलवार की रात एक आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट को लेकर डीजे हल्ली और केजी हल्ली इलाकों में हिंसा हुई। एक पुलिस स्टेशन को आग के हवाले कर दिया। हालात को काबू करने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोगों ने देर रात ही दम तोड़ दिया। वहीं, एक व्यक्ति की इलाज के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई। इस हिंसा में 60 से ज्यादा पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। इनमें एक एडिशनल पुलिस कमिश्नर भी शामिल हैं। उधर, डीजे हल्ली इलाके में दंगाइयों से मंदिर को बचाने के लिए मुस्लिम युवकों ने ह्यूमन चेन बनाई। बताया जा रहा है कि जब तक दंगाई वहां से चले नहीं गए, तब तक वे वहीं खड़े रहे। सोशल मीडिया समेत सभी जगह इन युवकों की तारीफ हो रही है। हिंसा शहर के डीजे हल्ली और केजी हल्ली इलाके में हुई। फिलहाल यहां कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं, पूरे बेंगलुरु में धारा 144 लगाई गई है। अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया

गया है। पुलिस का कहना है कि कुछ लोग विवादित पोस्ट के मामले में शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे थे। उन्हें आपसी सुलह से विवाद निपटाने की सलाह दी गई। यह बात उन्हें रास नहीं आई और वे नारेबाजी करने लगे। देखते ही देखते पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद भीड़ ने थाने और विधायक के घर तोड़फोड़ और आगजनी की।

क्यों हुई हिंसा?: आरोप है कि कांग्रेस के विधायक श्रीनिवास मूर्ति के भतीजे नवीन ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट की। इससे मुस्लिम समुदाय नाराज हो गया। कमिश्नर कमल कांत ने बताया कि आरोपी नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। कर्नाटक के गृह मंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हिंसाग्रस्त इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सरेआम मिले वहशी दरिंदो को सजा ए मौत: उज्वला विश्वकर्मा

मुंबई। 4 अगस्त 2020 को दिल्ली में 12 साल की बच्ची के साथ जो दरिंदगी हुई उससे पूरा देश दहल उठा है, वो बच्ची इस वक्त दिल्ली ऑल इंडिया अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है, इस मुद्दे पर भारतीय विश्वकर्मा जनहित सेवा सिमिती की राष्ट्रीय अध्यक्ष उज्वला विश्वकर्मा का कहना है, कि ऐसे दरिंदो को तुरंत मौत के घाट उतार देना चाहिए और दोषी बालिग है, या नाबालिग यह प्रशासन को नही देखना चाहिए। उज्वला विश्वकर्मा ने कहा कि हैदराबाद में जब डा. प्रियंका रैड्डी के बलात्कारीयों का हैदराबाद पुलिस ने एनकाउंटर किया था तब पूरे देश खुशी से जगमगा उठा था अब देश को इन दरिंदो का एनकाउंटर पंसद है, उज्वला विश्वकर्मा ने कहा कि जब तक हमारे देश मे रेप से जुड़े मामलों पर कड़ा कानून नहीं बन जाता तब तक इस तरह कि दरिंदगी होती रहेगी।

राष्ट्रपति पुतिन की बेटी को वैक्सीन देने के बाद शरीर का तापमान गिरा, काफी संख्या में एंटीबॉडीज बनीं, वैक्सीन की पहली आधिकारिक तस्वीर सामने आई

नई दिल्ली। आधिकारिक तौर पर कोरोना की वैक्सीन रजिस्टर करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। वैक्सीन का पहला डोज राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बेटी को दिया गया। उन्हें दो डोज दिए गए। डोज देने के बाद शरीर के तापमान में बदलाव रिकॉर्ड किया गया। पुतिन के मुताबिक, पहली डोज देने पर उसके शरीर का तापमान 38 डिग्री था। वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई तो तापमान 1 डिग्री गिरकर 37 डिग्री हो गया। लेकिन कुछ समय बाद दोबारा तापमान बढ़ा, जो धीरे-धीरे सामान्य हो गया। पुतिन की दो बेटियां हैं, मारिया और कैटरीना। वैक्सीन दोनों में से किसको लगी है पुतिन ने यह साफ नहीं किया है लेकिन उनका कहना है कि टीका लगने के बाद वह अच्छा महसूस कर रही है। उसमें काफी संख्या में एंटीबॉडीज बनी हैं। वैक्सीन कई तरह की जांच से गुजर चुकी है और यह सुरक्षित साबित हुई है। रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को के मुताबिक, दुनियाभर के 20 देशों ने हमारी वैक्सीन स्पुतनिक-वी के लिए प्री-ऑर्डर दिया है। रूस का डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड वैक्सीन को बड़ी

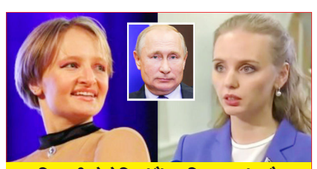

पुतिन की दो बेटियां हैं, मारिया (दाएं) और कैटरीना (बाएं), वैक्सीन दोनों में से किसको लगी है पुतिन ने यह साफ नहीं किया है

मात्रा में बनाने के लिए और विदेश में प्रमोट करने के लिए निवेश कर रहा है। रूसी वेबसाइट ने दावा किया है कि भारत, साऊदी अरब, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ब्राजील, मैक्सिको जैसे देशों ने वैक्सीन को खरीदने की इच्छा जताई है।

भारत में तीसरे चरण का ट्रायल हो सकता है

रूसी वेबसाइट के मुताबिक, 2020 के अंत तक वैक्सीन के 20 करोड़ डोज तैयार किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इनमें से 3 करोड़ डोज रूस अपने लिए रखेगा। वैक्सीन का उत्पादन सितम्बर में शुरू होगा। रूस तीसरे चरण का ट्रायल कई देशों में करने की योजना बना रहा है, इसमें साऊदी अरब, ब्राजील, भारत और फिलीपींस शामिल हैं।

पहले उपग्रह के नाम पर रखा वैक्सीन का नामकरण

रूस ने वैक्सीन का नामकरण अपनी पहले उपग्रह स्पुतनिक-वी के नाम पर किया है। इसे 1957 में लॉन्च किया गया था। रूस ने महीने भर पहले ही इस बात के संकेत दे दिए थे कि उनकी वैक्सीन ट्रायल में सबसे आगे है और वे उसे 10 से 12 अगस्त के बीच रजिस्टर्ड करा लेंगे। हालांकि इस वैक्सीन को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन रूस पर भरोसा नहीं कर रहे। रूस पर वैक्सीन का फार्मूला चुराने के आरोप भी लग रहे हैं।

शिवसेना का बीजेपी पर तंज, राजस्थान में 'राजनीतिक घमंड' की हार

संवाददाता

मुंबई। राजस्थान में हुए सियासी घटनाक्रम को लेकर शिवसेना ने बीजेपी पर तीखा हमला किया है। शिवसेना ने बुधवार को कहा कि राजस्थान में 'ऑपरेशन लोटस' की विफलता 'राजनीतिक घमंड' की हार है।

शिवसेना की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सचिन पायलट की बैठक के बाद राजस्थान में राजनीतिक संकट के मैत्रिपूर्ण समाधन के संकेत मिले हैं। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'ऑपरेशन लोटस का ही ऑपरेशन' करके बीजेपी को सबक सिखाने का काम किया है। 'ऑपरेशन लोटस' बीजेपी की ओर से अन्य पार्टियों में कथित तौर पर दलबदल कराने की कोशिश है। शिवसेना ने चुटकी लेते हुए कहा कि महाराष्ट्र में तड़के किया गया यह ऑपरेशन विफल हो चुका है। कम से कम अब तो बीजेपी को इससे सबक लेना चाहिए। कुछ फर्जी डॉक्टरों की ओर से महाराष्ट्र में ऑपरेशन करने की नई तारीख अब सितंबर में है।

मुखपत्र में सीधे तौर पर पिछले साल राजभवन में तड़के जल्दबाजी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह का हवाला दिया है। शिवसेना और बीजेपी के बीच मुख्यमंत्री पद की साझेदारी को लेकर एकमत नहीं बनने पर गठबंधन से शिवसेना बाहर हो गई थी। इस समारोह में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। शिवसेना ने बाद में एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार का गठन किया।

बीजेपी दूसरे राज्यों की सरकारों को गिराने में व्यस्त: शिवसेना

शिवसेना ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि जहां उसकी सरकार नहीं है, वहां वह राज्यों में सरकारों को अस्थिर करने में इस कदर व्यस्त है कि जैसे देश के सामने दूसरी कोई परेशानियां ही नहीं है। मुखपत्र में यह कहा गया कि कोरोना वायरस महामारी के जाने का कोई संकेत नहीं है। बेरोजगारी बढ़ रही है और अर्थव्यवस्था रसातल में है। इन सभी को पटरी पर लाने के बजाय बीजेपी दूसरे राज्यों की सरकारों को गिराने में व्यस्त है। क्या यह राजनीतिक मानसिक बीमारी का संकेत नहीं है? उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा कि शोले फिल्म के गब्बर सिंह की तरह 'ऑपरेशन लोटस' का डर पैदा किया गया है। लेकिन राजस्थान में इस ऑपरेशन का विफल होना राजनीतिक घमंड की विफलता को दिखाता है।

पायलट गहलोत के सामने कमजोर खिलाड़ी साबित

शिवसेना ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ बैठक के बाद कांग्रेस नेता सचिन पायलट पार्टी के हित में काम करने के लिए सहमत हो गए और गहलोत ने एक महीने के लंबे गतिरोध के बाद अपनी सरकार बचा ली है। मुखपत्र में कहा गया कि पायलट गहलोत के सामने कमजोर खिलाड़ी साबित हुए हैं। मराठी भाषा के मुखपत्र में कहा गया कि गहलोत ने अपनी सरकार बचाने के लिए सबकुछ किया। गहलोत के खिलाफ करीब एक महीने तक बगावत के बाद पायलट जयपुर लौट आए हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पार्टी से किसी भी पद की मांग नहीं की और प्रतिशोध की कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

बुलढाणा हलचल

जिला सामान्य अस्पताल की लापरवाही से पुलिसकर्मी की मौत, मोहम्मद अजहर का निवेदन द्वारा आरोप

बुलढाणा। जिला रुग्णालय में प्रशासन की लापरवाही से पुलिसकर्मी की मौत होने का आरोप नगर सेविका पति मोहम्मद अजहर इन्होंने किया है इस संदर्भ में उन्होंने जिला प्रशासन के मार्फत मुख्यमंत्री और संबंधित को निवेदन दौरा दोषी पर कार्रवाई करने की मांग की है निवेदन में उल्लेख है कि चिखली के रहवासी खामगांव पुलिस मैं कार्यत पुलिसकर्मी अब्दुल असलम अब्दुल इकराम यह विगत 15 दिनों की छुट्टी पर थे लेकिन 2 दिन पहले अचानक उनकी तबीयत ठीक नहीं लग रही थी साथ ही सांस लेने में तकलीफ हो रही थी इसलिए उन्हें चिखली से बुलढाणा के जिला अस्पताल में रेफर किया गया लेकिन अस्पताल के स्टाफ ने वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं कराया ऐसा आरोप मोहम्मद अगर इन्होंने किया इसी बीच इन्हें अकोला रेफर करने की भी सूचना दी इसी बीच एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग की लेकिन अस्पताल प्रशासन ने एंबुलेंस भी नहीं ऐसा भी कहा आखिर में 6000 रुपये देकर एक प्राइवेट एंबुलेंस बुलाई गई लेकिन इसमें ऑक्सीजन नली ना होने से जिला रुग्णालय से नली की मांग की गई लेकिन जिला अस्पताल ने यह भी उपलब्ध नहीं कराया यह नली भी उन्होंने निजी अस्पताल से

बुलाई ऐम्बुलन्स में मरीज को ले जाते समय वरवनड गांव के करीब पुलिसकर्मी की मौत हो गई पश्चात शव को शव घर में रखने के लिए सहकार्य नहीं किया गया ऐसा आरोप मोहम्मद अजहर ने किया लेकिन 10 अगस्त को उनका शव पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

पुलिस विभाग का कोविड सेंटर केवल नाम का ही है क्या

कोरोना महामारी के संक्रमण बीमारी से नागरिकों को बचाने के लिए पुलिस विभाग और पुलिस कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए कोविड-युद्ध की अहम भूमिका निभाई इसी को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस प्रशासन ने पुलिस कर्मियों के लिए अलग कोविड सेंटर बनाया गया इस सेंटर में पुलिस विभाग के कर्मचारियों को स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए इस कोविड-19 सेंटर का मकसद था लेकिन विगत 2 दिन पहले बुलढाणा जिले में ऐसा मामला सामने आया है पुलिस विभाग के कर्मचारी चिखली रहवासी अब्दुल अस्लम अब्दुल इक्राम की ड्यूटी खामगांव पुलिस स्टेशन में थी लेकिन विगत 8 दिनों से वह छुट्टी की रजा पर थे अचानक उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी चिकली से बुलढाणा सामान्य रुग्णालय में एडमिट किया गया जहां उनको सुविधा उपलब्ध नहीं मिल सकी लेकिन अब्दुल असलम एक पुलिस कर्मचारी होने के नाते उनका उपचार पुलिस विभाग का स्पेशल कोविड-19 सेंटर में होना जरूरी था लेकिन क्या वजह थी उन्हें इस स्पेशल कोविड-19 से दूर क्यों रखा गया उनके परिवार वाले और नागरिकों में चर्चा है कि अगर पुलिस कोविड-19 में उनका उपचार होता तो उनकी जान बच जाती नागरिकों में यह भी चर्चा जारी है कि कि पुलिस विभाग का कोविड-19 केवल नाम का ही है क्या?

राहत इंदौरी के रुखसत से देश के लिए बहुत बड़ी क्षति

संवाददाता

बुलढाणा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध उर्दू शायर डॉ. राहत इंदोरी के दुखद निधन पर उनके शोक संवेदना संदेश में बुलडाणा जिले के मशहुर अजीम नवाज राहि और एनसीपी के ज़िला अध्यक्ष एडवोकेट नाजीर काजी ने अपने संयुक्त शोक संदेश में कहा कि डॉ. राहत इंदोरी वह एक प्रसिद्ध लोक कवि और गंगा-जमनी सभ्यता के अग्रणी थे। हमारे बिच से उनका जाना उर्दू कविता और देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। राहत इंदोरी की कविता के माध्यम से लोगों को साहित्य से जोड़ने का काम कर रही थी। अजीम नवाज राहि ने कहा उन्होंने कहा कि डॉ. राहत अंदोरी की गजल में एक सफियाना अंदाज थ। उन्होंने उर्दू गजल साकी मेखना

श्म्मे परवाना द्वारा इन तश्बिहात आजादी दिलाई। डॉ. राहत अंदोरी की गजल आम आदमी के दैनिक जीवन का प्रतिनिधित्व करती थी। उनकी गजल आम आदमी के सवालों का आईना थी। मेरे और डॉ. राहत अंदोरी साहिब के बीच एक आध्यात्मिक रिश्ता था मेरे अनुरोध पर, तीन बार बलदाना जिले में आये। एक बार मेरेअपने गाँव साकर खेडा आये और दिन भर मेरे घर पर रहे। मेरा पौधा मेरा आंगण मेरे लिए गौरव का स्त्रोत है क्योंकि उन्होने शब्दों के इस संग्रह की प्रस्तावना लिखी थी आज, उनकी विदाई उर्दू गजल ने अपना शीर्षक खो दिया हैभारत की पहचान जो उसने दुनिया भर में बनाईउनका जाना न केवल उर्दू गजल का बल्कि हमारे देश का भी सबसे बड़ा नुकसान है।

राहत इंदौरी बेबाक और निडर शायर थे: नाजीर काजी

एक उजाला सा है इस हुजरे के अंदर
जमी आसमा बाहर खड़े हैं

मैंने जब पहली बार राहत इंदौरी का यह बंद सुना तो मै सोचता ही रहा और बाद में उनकी गजलों का शहदाई बना फिर बहुत से मुशायरो में रूबरू राहत साहब को सुनने का मौका मिला और उसके बाद साखर खेड़ा में अजीम नवाज राही ने आयोजित किए गए मुशायरे में मैं विशेष अतिथि था और पूरी रात इस मुशायरे में उनको सुनने को मिलाऔर उनके साथ एक आध्यात्मिक रिश्ता बना मैं उनके गजलों के ईशार मैं अपनी तकरीरों में कोर्ट करता रहा जिससे दर्शक सरहानिय करते थेउन्होंने एक ऐसी संपति को पीछे छोड़ दिया जो वास्तविकता पर आधारित थी। राहत साहब का निधन न केवल उर्दू साहित्य बल्कि पूरे देश के लिए एक क्षति है।

मधुबनी हलचल

इस्तेयाक अहमद, मो. तालिब और जहीर ईकबाल को मुस्लिम बेदारी कारवां ने सौंपी जिम्मेदारियां

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार के समस्तीपुर जिला के ताजपुर निवासी व समाजसेवी इस्तेयाक अहमद को आज ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ ने बिहार प्रदेश का युवा प्रदेश अध्यक्ष मनोनित किया है। इस्तेयाक अहमद काफी जुझारू और समाजसेवी नौजवान हैं इसलिए इन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। आशा की जाती है कि इनके बिहार युवा प्रदेश अध्यक्ष मनोनित होने से ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां को मजीद मजबूती मिलेगी और जमिनी स्तर पर गरीब मजलूमों की मजबूत आवाज बनकर इस्तेयाक अहमद काम करेंगे। वहीं दूसरी ओर बिहार के दरभंगा

जिला के पंडासराय निवासी मो0 तालिब को आज ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां ने दरभंगा जिला युवा अध्यक्ष मनोनित किया है और दरभंगा शहरी क्षेत्र के वार्ड न0-33 बीबी पाकर निवासी जहीर ईकबाल को दरभंगा जिला महासचिव बनाया है। सभी नौजवान काफी जुझारू हैं और हमेशा समाजी व फलाही कामों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते रहते हैं। यकीनन इन सभी नौजवानों से संगठन को मजबूती मिलेगी और जमिनी स्तर पर काम आगे बढ़ेगा। ये सभी नौजवान गरीब मजलूमों की आवाज को दबने नहीं देंगे। सभी नौजवानों ने मनोनित होने मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम, बिहार प्रदेश अध्यक्ष कारी सुल्तान अख्तर और उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मोबशीर हुसैन को बधाई दी और यकीन दिलाया के हमें जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है इंशा अल्लाह पूरी मजबूती के साथ संगठन को आगे बढ़ायेंगे और प्राथमिक्ता के आधार पर जन समस्या को उठायेंगे। सभी मनोनित सदस्यों को बधाई देने वालों में मधुबनी जिला अध्यक्ष डॉ0 फैसल मोहम्मद, समस्तीपुर जिला अध्यक्ष असरार दानिश, मुजफ्फरपुर जिला अध्यक्ष याकूब ऑज, आबशार आलम, अमानुल्लाह सलफी, डा0 राहत अली, सफिउर रहमान राईन आदि ने बधाई दी।

समस्तीपुर हलचल

अपराधियों का तांडव, श्राद्धकर्म में 3 को मारी गोली,1 की मौत

समस्तीपुर। जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बरबट्टा पंचायत अंतर्गत सुआपाकर गाव में आपसी वर्चस्व को लेकर अपराधियों ने महेश्वर राय के पुत्र अमन उर्फ लक्की (25) पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर निर्मम हत्या कर दी। घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखे बरामद किए हैं। वहीं इस घटना से पुरे गांव में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी

के अनुसार अमन उर्फ लक्की (25) समस्तीपुर से सुआपाकर निवासी दिनेश राय के दरवाजे पर श्राद्ध समारोह में शामिल होने आया था। इस बीच आधा दर्जन नकाबपोश अपराधियों ने उक्त दरवाजे पर आकर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग में लक्की कुमार को तीन गोलियां लगी जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी पैदल ही आराम से चलते बने। इस दौरान केंद्रीय मंत्री राम कृपाल राय के पुत्र अभिमन्यु यादव ने कहा कि अमन हमारे टीम के सक्रिय सदस्य थे, एक साजिश के तहत उसे बुलाकर अपराधियों ने उनकी हत्या कर दी। हम समस्तीपुर के एसपी से मांग करते हैं कि इस घटना की पूरी निष्पक्ष जांच हो और इसमें शामिल अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार किया जाए।

पूर्व प्रमुख उमेश कुमार राम वीआइपी पार्टी में हुए शामिल: शंकर चौधरी

वारिसनगर। पूर्व प्रखंड प्रमुख उमेश कुमार राम विकासशील इंसान पार्टी में आस्था व विश्वास जताते हुए प्रत्येक दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सन ऑफ मल्लाह मुकेश साहनी की लोकप्रियता व पार्टी के कार्यों से प्रभावित होकर विधानसभा अध्यक्ष सह बसंतपुर पैक्स अध्यक्ष शंकर चौधरी के समक्ष विकास इंसान पार्टी की सदस्यता ग्रहण किए। पार्टी में जुड़ने पर इन्हें वारिसनगर विधानसभा सलाहकार पद का दायित्व सौंपा गया, एव रामसकल सहनी को विधानसभा कार्यकारणी सदस्य पद पर नियुक्त किया गया। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी सुमित कुमार चौधरी, प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, रामपुर विशुन पंचायत अध्यक्ष राजीव सहनी, गोही पंचायत अध्यक्ष शिवजी सहनी पंकज कुमार, सहित कई पार्टी के कार्यकताओं उपस्थित रहे।

स्कूल के बच्चों को 'मिड डे मील' के बदले मिला 8 से 12 किलो अनाज

समस्तीपुर। राज्य सरकार के आदेश पर कोरोना वायरस से संक्रमण को लेकर सभी विद्यालय अगले आदेश तक बंद है। साथ ही राज्य में 16 अगस्त तक लॉक डाउन घोषित है। ऐसी स्थिति में विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को भोजन के लिए परेशानी न हो, इसके लिए सरकार के निदेशानुसार विभाग द्वारा अब उन्हें कच्चा राशन दिया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के वार्ड संख्या-2 स्थित धरमपुर मिडिल स्कूल और मकतब पर सोशल डिस्टेंसिग का अनिवार्य रुप से पालन करते हुए बच्चों के अभिभावक को बुलाकर एमडीएम का चावल वितरण किया गया। इस दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष शारिक रहमान लवली, वार्ड पार्षद नजमा खातून और समाज सेवी सेराज अंसारी भी उपस्थित थे। प्रधानाध्यापक ने बताया कि 3 मई 2020 से 31 जुलाई 2020 तक जोड़कर प्राथमिक स्कूल के वर्ग 1 से 5 तक के बच्चों को प्रति छात्र 80 दिनों का आठ किलो चावल जबकि 6 से 8 तक के बच्चों को प्रति छात्र 12 किलो की दर से एमडीएम का चावल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही भोजन पकाने की लागत व अन्य खर्चे भी जोड़कर बाद में डीबीटी के माध्यम से सरकार द्वारा विद्यार्थियों के खातों में राशि डाली जाएगी।

रामपुर हलचल

बरसात में जर्जर दुकान की वजह से किरायेदार दुकानदारों में मचा हाहाकार

टाण्डा (रामपुर)। नवीन मंडी स्थल में फल सब्जी आदि का कार्य मंडी स्थल की दुकानों में किया जाता है जिसमे अनाज की दुकाने भी सम्मिलित है मंडी स्थल की लगभग 50 से 60 दुकाने जो किरायेदारी पर दे रखी है बरसात के चलते दुकानों की स्थिति व छतो का वर्षा के दोरान पानी का टपकना लगातार जारी है जिससे किरायेदार दुकानदारों को दुकान के अन्दर सामान आदि रखे जाने में अनेको प्रकार की कठिनाइया उत्पन्न होती रहती है दुकान जर्जर अवस्था को लेकर किरायेदार दुकानदारो में हाहाकार मचा हुआ है फल सब्जी आदि के थोक विक्रताओ द्वारा समस्या को लेकर कई बार मंडी सचिव को भी अवगत कराया जा चूका समस्या का समाधान नहीं हो सका है मंडी स्थल में ही जगह-जगह गन्दगी छाई हुई है। सफाई व्यावस्था पर भी कोई विशेष ध्यांन नहीं दिया जा रहा है जबकि साप कीड़े आदि दुकानों के अन्दर प्रवेश कर जाते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुदीना स्वाद ही नहीं, सेहत के लिए भी है फायदेमंद

पुदीना खाने में स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई हेल्थ संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मदद करते हैं। गर्मियों के मौसम में हर घर में इसका इस्तेमाल खट्टी चीजें और चाय बनाने में किया जाता है। खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ यह शरीर में दवाई की तरह काम करता है। आज हम इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप कई समस्याओं से छुटकारा पर सकते हैं।

1. पेट दर्द से पाए राहत

पुदीना पेट की समस्याओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। जब कभी किसी का पेट अच्छी तरह से साफ न हुआ हो और पेट में दर्द हो रहा हो तो पुदीना एक दवाई की तरह काम करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर छान कर पानी को पीएं। इससे आपकी पाचन शक्ति भी बढ़ेगी और पेट दर्द से भी राहत मिलेगी।

2. गर्मी से दिलाए निजात

पुदीने का इस्तेमाल खास कर गर्मियों में गन्ने के रस में, आम का पन्ना बनाने में, भोजन में किया जाता है क्योंकि यह शरीर में गर्मी से राहत दिलाता है। इससे नमी बनी रहती है और यह घबराहट, उल्टी, हैजा जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

3. मुंह की बदबू करें दूर

कई बार ब्रश करने के बाद भी मुंह में बदबू आती रहती है आप इसे हटाने के लिए पुदीने के पत्तियों को चबा सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने को सूखा कर इसका चूर्ण बना कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप इससे मंजन की तरह दांत साफ कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके मसूड़े भी मजबूत होगें।

4. हड्डियों को बनाएं मजबूत

पुदीना हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें मैग्निशियम तत्व पाया जाता है जो हड्डियों के लिए जरूरी होता है।

5. कोलेस्ट्रोल लेवल ठीक रखें

पुदीने में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं जो बढ़े हुए कोलेस्ट्रोल लेवल को ठीक करने में मदद करता है।

6. मोटापा घटाने में करें मदद

जो लोग मोटापे से परेशान है वह वजन घटाने के लिए पुदीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर में जमा वसा को कम करते हैं और मोटापे से छुटकारा दिलाते हैं।

7. घाव से दिलाएं राहत

पुदीने में एंटी- बैक्टिरियल पाया जाता है जो घाव या चोट को ठीक करने में मदद करता है। जब आपके कभी घाव या चोट लग गई है तो आप पुदीने की पत्तियां मसल कर इसका पेस्ट बना कर घाव वाली जगह पर लगाएं।

8. उल्टी या हिचकी रोकें

अगर आपको कभी उल्टियां लग जाएं तो पुदीने का रस 1-1 चम्मच दिन में दो बार पीएं। हिचकी रोकने के लिए इसकी पत्तियां बहुत असरदार उपाय है।

कहीं आप तो नहीं कर रहें बालों की कंडीशनिंग करते समय यह गलतियां

बालों को लेकर लड़कियां हर समय परेशान रहती हैं कि कहीं उनके झड़ते बाल उनकी पर्सनेलिटी को खराब कर न कर दें। इसी लिए वे अच्छी से अच्छी क्वालिटी का शैंपू और कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि कंडीशनर बालों को मुलायम, शाइनी बनाने में मदद करता है लेकिन बहुत से लोग इसे लगाने के सही तरीके के बारे में जानते भी नहीं हैं। कंडीशनिंग करते समय जाने-अनजाने की गई गलतियां बालों को खराब भी कर सकती हैं। आइए जानें कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये कंडीशनर को लेकर ये गलतिया।

बालों की जड़ों से कंडीशनिंग करना

कुछ लोग शैंपू करने के बाद बालों की जड़ों से ही कंडीशनिंग भी करने लगते हैं। जिससे कई बार बाल झड़ने लगते हैं। इस बात को जान लें कि जड़ों को कंडीशनर करने की कोई जरूरत नहीं होती। सिर्फ बालों पर ही इसे लगाएं।

शैंपू के बाद कंडीशनर न करना

कंडीशनर बालों को मुलायम बनाने के साथ-साथ बाहरी धूल-मिट्टी से भी बचाव रखता है। बालों पर शैंपू कर रहे हैं तो कंडीशनर न लगाने के गलती न करें। इससे बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

जरूरत से ज्यादा न करें इस्तेमाल

हर चीज का इस्तेमाल सही मात्रा में करना बहुत जरूरी है। अगर ज्यादा मात्रा में कंडीशनर लगाया जाए तो इससे बाल शाइनी दिखने की बजाए तैलीय लगने लगते हैं और आप भी फ्रैश फील नहीं करते।

कंडीशनर लगाने में जल्दी करना

कंडीशनर लगाने में जल्दबाजी न करें। सही रिजल्ट पाने के लिए इसे दिए गए निर्देश अनुसार बालों पर लगा रहने दें।

दांत की सर्जरी के बाद न करें इन 2 चीजों का सेवन, पड़ सकता है भारी

कोई भी व्यक्ति जब डेंटल सर्जरी से फिर से ठीक हो रहा होता है, तब अच्छा आहार और पोषण का अत्यंत महत्व होता है। अगर व्यक्ती को पता है, की उसे क्या खाना चाहिए और वह उचित आहार लेता हैं, तो यह जल्दी ठीक होने की गारंटी देता है और अत्यधिक शुष्क गर्तिका और खून के बहने की संभावना को कम कर देता है। मौखिक सर्जरी के उपरांत का समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है और दंत विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण के बिना प्रबंधित नही किया जाना चाहिए। यदि मरीज को कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का निर्धारण किया गया है, तो उसे अपने आहार से डेयरी उत्पादों को बाहर करना पड़ सकता है। वास्तव में, सर्जरी के बाद कुछ दिनों के लिए रोगी को चाय या पानी या नरम खाद्य पदार्थों जैसे पेय पदार्थों को लेना चाहिए।

ये बातें पता होनी चाहिए

डेंटल सर्जरी की अवधि में, एक व्यक्ति को पता होना चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और अपने आहार में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा शामिल करनी चाहिए। तरल पदार्थ भी आहार का एक प्रमुख हिस्सा होना चाहिए। अच्छे तरल आहार पदार्थों में पौष्टिक फल और सब्जियों के रस, मिल्क शेक, ऊर्जा पेय, त्वरित नाश्ता पेय और फल स्मूदी शामिल हैं। मौखिक सर्जरी के तुरंत बाद, ओटमिल, नरम अंडे, मुलायम फल, अच्छी तरह से पका चावल और दलिया, जैसे पदार्थों को रोगी के आहार में शामिल किया जाना चाहिए। कार्बोनेटेड या वातित पेय, गर्म तरल पदार्थ और मसालेदार भोजन लेने से बचें।

इन खाद्य पदार्थों से परहेज

रोगी उन खाद्य पदार्थों को टालना चाहिए जिससे सर्जरी स्थान पर जलन नहीं हो। कुछ भी जिसे चूसने की जरूरत होती है, उससे सख्ती से बचना चाहिए, क्योंकि इससे मुँह में खून के थक्का बन सकते हैं, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता हैं। हालांकि मांस और डेयरी उत्पाद प्रोटीन और ऊर्जा का एक बहुत अच्छा स्रोत होते हैं, उनका परहेज किया जाना चाहिए। इसके बजाय, आप मैश किए हुए आलू, नरम पनीर और टोफू खा सकते हैं।

क्या खा सकते हैं

डेंटल सर्जरी के बाद कैन्ड मछली, गरम पानी में पकी मछली, ह्युम्मस, मांस लोफ्स, मसला हुआ चितकबरा सेम और कटा हुआ मांस जैसे खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल कर सकते है क्योंकि उनको ज्यादा चबाने की आवश्यकता नहीं होती है। मूंगफली का मक्खन, बीज, और अखरोट के तेल की भी सिफारिश की जाती हैं। पुडिंग, दही, कस्टर्ड, वनस्पति शोरबा, आइसक्रीम, ऐपल्सॉस, क्रीमी सूप, और मैश किए हुए आलू सर्जरी स्थान के लिए बेहतर होते हैं।

डेंटल सर्जरी

डेंटल सर्जरी के बाद क्या खाना चाहिए यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, जो हर रोगी को संबोधित किया जाना चाहिए। चिकित्सा और फामेर्सी के क्षेत्र में नए-नए रिसर्च ने सर्जरी की पद्धतियां और प्रक्रियाओं को रोगियों के लिए कम पीड़ादायक और अधिक सहनशील बना दिया हैं। क्योंकि जब रोगी घर लौटता है उस पर दवा का प्रभाव होता है, इसलिए उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह निर्धारित दर्द निवारक दवा नियमित लेना और डॉक्टर के अनुमोदन के बिना कुछ नहीं खाना चाहिए।

दांतों की देखभाल कैसे करें

ब्रश करने के लिए कोई मानक समय नहीं है। लेकिन ऐसी सलाह दी जाती है कि कम से कम दो मिनट तक ब्रश करें जिससे मुंह के अंदर की सतह से प्लेक के बैक्टीरिया निकल जायें। इससे दांतों की क्षति से भी बचाव हो सकेगा। अगर 6 महीनों तक ब्रश करने के बाद भी आपका ब्रश खराब नहीं हुआ है, तब भी नया ब्रश खरीदने में देरी ना करें। टूथब्रश अलग-अलग आकार, लम्बाई और गुणवत्ता के आते हैं। लेकिन डेंटिस्ट्स का ऐसा मानना है कि सही टूथब्रश की लम्बाई 25.5 से 31.9 मिलीमीटर होनी चाहिए और चौडाई 7.8 से 9.5 मिलीमीटर होनी चाहिए। अगर आपके दांतों पर काले-भूरे धब्बे नजर रहे हैं, खाना दांतों में फंसने लगा है, ठंडा-गरम लग रहा है या मसूड़ों से पस आ रहा है, तो डेंटिस्ट.से मिलने में देरी ना करें। निश्चित समयांतराल पर दंत चिकित्सक से मिलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किक 2 में सलमान की हीरोइन होंगी जैकलीन

11 अगस्त को एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का जन्मदिन था। इस खास मौके पर जैकलीन को डायरेक्टर साजिद नाडियाडवाला की तरफ से एक बड़ा सरप्राइज मिला। वो ये कि उन्होंने जैकलीन को किक 2 में सलमान खान के अपोजिट साइन कर लिया है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन के इंस्टा पेज पर इसका ऐलान किया गया। जैकलीन को बर्थडे का खास तोहफा देते हुए एक वीडियो शेयर किया गया है। ये भी बताया गया कि किक 2 में जैकलीन का कास्ट कर लिया गया है। किक के पहले पार्ट के सीन्स भी वीडियो में दिखाए गए हैं। कैप्शन में लिखा है- जैकलीन के जन्मदिन पर ढेर सारी मौज मस्ती। इंतजार खत्म हुआ। साजिद नाडियाडवाला ने किक 2 की स्क्रिप्ट लॉक कर दी है। वर्दा खान नाडियाडवाला का ये बड़ी न्यूज शेयर करने के लिए शुक्रिया। नाडियाडवाला ग्रैंडसन फैमिली को सलमान और जैकलीन की किक के जल्द शुरू होने का इंतजार। वर्दा खान नाडियाडवाला ने ये खबर इंस्टा पर भी शेयर की है। जिसका जवाब देते हुए जैकलीन ने लिखा- किक 2 के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार। बता दें किक के पहले पार्ट में भी जैकलीन को कास्ट किया गया था। फिल्म में उनकी और सलमान की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। मूवी में जैकलीन-सलमान पर फिल्माए गए सॉन्ग हिट रहे थे। फिल्म को क्रिटिक्स का खास रिस्पॉन्स नहीं मिला था। लेकिन किक ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। सलमान और जैकलीन रेस 3 में भी काम कर चुके हैं।

हम इस मुश्किल को भी हरा देंगे, अफवाहों पर भरोसा ना करें: मान्यता दत्त

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त द्वारा अपने इलाज पर ध्यान देने के लिए फिल्मों से कुछ समय की खातिर अवकाश लेने की घोषणा किए जाने के एक दिन बाद उनकी पत्नी और फिल्म-निर्माता मान्यता दत्त ने कहा कि संजय हमेशा से 'योद्धा' रहे हैं और उन्होंने बड़ी से बड़ी मुश्किल को हराया है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर भरोसा नहीं करने का अनुरोध किया। संजय दत्त (61) को पिछले सप्ताह सांस लेने में कठिनाई की शिकायत के बाद लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें सोमवार को अस्तपाल से छुट्टी दे दी गयी। संजय दत्त ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अपने इलाज पर ध्यान देने के लिए पेशेवर प्रतिबद्धताओं से कुछ समय के लिए अवकाश लेंगे। उन्हें फेफड़े का कैंसर होने की अफवाहों के बीच उन्होंने अपने शुभचिंतकों से उनकी सेहत के बारे में अटकलें नहीं लगाने का अनुरोध किया। बुधवार को दिए एक बयान में मान्यता दत्त ने अपने पति के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए शुभकामनाओं की खातिर लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हमें इस मुश्किल समय से उबरने के लिए प्रार्थनाओं की आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में हमारे परिवार ने बहुत कुछ देखा है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह समय भी बीत जाएगा। उन्होंने लोगों से संजय की सेहत के बारे में अटकलों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा, संजू के प्रशंसकों से मेरा दिल से अनुरोध है कि वे अटकलों और अनुचित अफवाहों का शिकार न हों बल्कि अपने प्यार और गर्मजोशी से हमारा समर्थन करें।

करीना कपूर के घर आने वाला है दूसरा नन्हा मेहमान

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और उनकी पत्नी करीना कपूर ने बुधवार को कहा कि उनके यहां दूसरा बच्चा होने वाला है। दोनों ने एक आधिकारिक वक्तव्य जारी कर करीना के गर्भधारण की सूचना दी और शुभचिंतकों को धन्यवाद दिया। वक्तव्य में कहा गया, हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे परिवार में नया सदस्य आने वाला है! सभी शुभचिंतकों को उनके प्रेम और समर्थन के लिए धन्यवाद। करीना (39) ने अपने पहले बच्चे तैमूर को 20 दिसंबर 2016 को जन्म दिया था। उस समय बच्चे का नाम तैमूर रखते ही लोगों ने सोशल मीडिया पर तैमूर नाम के मूल पर सवाल उठाने शुरू कर दिए थे। पैदा होने के कुछ समय बाद ही तैमूर इंटरनेट पर छा गए थे और आज भी पैपरात्जी चौबीस घंटे उसकी तस्वीरे लेने को बेताब रहते हैं। 49 वर्षीय सैफ ने पांच साल के प्रेम प्रसंग के बाद करीना से अक्टूबर 2012 में शादी की थी। इससे पहले उनकी शादी अभिनेत्री अमृता सिंह से हुई थी जिससे उनकी अभिनेत्री बेटी सारा और बेटा इब्राहिम हैं।